Dr. Madan Paswan, History. | Lecture No. 11 | (1)
Class : B.A. Part-II (Hons.) P-III nd | Date : 09.10.2020

Topic : Iqta System & Provincial System.

Continue.....

पुनः इरफान हबीब कहते हैं कि ऐसा इसलिए संभव हुआ कि भारत अप्रवासित होने वाले इस्लामी दस्तकार तथा व्यापारी अपने साथ शिल्प, तकनीक तथा पेशे लेते थे। द्वितीय, दास बनाने की व्यापक प्रक्रिया से श्रमिक वर्ग की आपूर्ति हुई।

3. इक्ता तथा खराज द्वारा कृषि अधिशेष का अधिकांश भाग शहरों में खपत के लिए भेज दिया जाता था। अधिशेष के इस विनियोजन ने सल्तनत के आर्थिक आधार को कमजोर बना दिया क्योंकि इसने अमीर वर्ग को शहरी महाजनों के ऋण पर निर्भर बना दिया।

इरफान हबीब, प्रो० हबीब के इस मत का असहमति के साथ कहना है कि शहरीकरण में विकास तथा ग्रामीण क्षेत्र में स्थानीय वंशानुगत शासकों की शक्ति में जो कमी आयी वह समाज के किसी विशेष वर्ग की मुक्ति का परिणाम थी।

उनका विचार है कि,

शहरी अर्थव्यवस्था में दास-मजदूर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे। शहरी मुस्लिम दस्तकार वर्ग में जाति प्रथा का बंधन नहीं था। पुनः कृषि क्षेत्र में हुए परिवर्तन छोटे किसानों के हक में नहीं थे। इस प्रकार,

" इरफान हबीब का विचार है कि "सल्तनत ने आधुनिक अर्थ में कोई क्रांति संपादित नहीं की थी, वरन् कृषि के शोषण की एक नवीन प्रणाली विकसित की थी जिस पर परजीवी किस्म का शहरी विकास आधारित था"

Contd....

(1) राजस्व प्रणाली के साधनों का वितरण :

इक्ता, खालसा तथा भूमि अनुदान के लिए भू-राजस्व प्रणाली देखें। पुनः अलाउद्दीन खिलजी की कृषि नीति, मुहम्मद तुगलक की कृषि नीति तथा अलाउद्दीन की बाजार नीति के लिए क्रमशः संबंधित अध्ययन - अध्यापन की आवश्यकता आपको होगी।

Continue .....

Dr. Madan Paswan, History.